

एनआईआरएफ ने 2023 रैंकिंग जारी की, राज्य के 529 कॉलेजों में किसी को भी रैंक नहीं

ए ग्रेड की तैयारी में जुटे रविवि को झटका देश के टॉप 150 संस्थानों में भी शामिल नहीं

भास्कर तत्काल

एजुकेशन रिपोर्टर रायपुर

कई कोशिशों के बाद भी प्रदेश की टॉप यूनिवर्सिटी पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय नेशनल रैंकिंग में बुरी तरह पिछड़ गई है। रविवि को देश के टॉप 150 विवि की सूची में भी जगह नहीं मिल पाई है। इस रैंकिंग में विवि को रैंक बैंड 151-200 में रखा गया है। मानव संसाधन विकास मंत्रालय की ओर से सोमवार को नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) 2023 की लिस्ट जारी की गई। इसके अनुसार रविवि देश के टॉप-150 में विवि में भी नहीं है। इतना ही नहीं राज्यभर के 529 कॉलेजों में किसी को भी रैंक तक नहीं मिला है। पहली बार 2016 में जब रैंकिंग जारी की गई थी तब यूनिवर्सिटी कैटेगरी में रविवि को 46वां स्थान मिला था। बाद में पता चला था कि इस साल में देश के कई विवि ने रैंकिंग के लिए आवेदन ही नहीं किया था। इसलिए विवि को अच्छी रैंकिंग मिल गई थी। इसके बाद जारी किसी भी साल में रविवि टॉप-100 में भी शामिल नहीं हो पाया। पिछले साल भी रविवि की रैंकिंग 151 से 200 के बीच थी। इस बार भी वहीं रैंक बैंड में जगह मिली है। रैंकिंग में कोई बदलाव नहीं हुआ।

इसलिए पिछड़ गए

नेशनल रैंकिंग के लिए कुछ पैरामीटर तय किए गए हैं। इसके तहत एक कैटेगरी टीचिंग, लर्निंग, रिसोर्स की है। इसमें छात्रों की संख्या के साथ ही फैकल्टी व स्टूडेंट्स के



अनुपात को भी देखा जाता है। रविवि के मामले में शिक्षकों की बेहद कमी है। 223 पद में 104 में ही नियमित प्रोफेसर हैं। 119 पद खाली हैं। इन पदों को 2015 से भरने की कोशिश की जा रही है, लेकिन अभी तक भर्ती नहीं हुई। इसी तरह रिसर्च एंड प्रोफेशनल प्रैक्टिस कैटेगरी में भी विवि पिछड़ गया। इसके तहत पब्लिकेशन, क्वालिटी पब्लिकेशन, पेटेंट व प्रोजेक्ट का मूल्यांकन किया जाता है। रविवि के प्रोफेसर पब्लिकेशन व क्वालिटी पब्लिकेशन पर ध्यान ही नहीं देते हैं। यहां तक पेटेंट के लिए भी कोई प्रयास नहीं होता।

■ पिछली बार विवि 151 से 200 के रैंक बैंड में था। इस बार भी इसी स्थान पर है। यह भी सम्मानजनक है, लेकिन इसमें सुधार किए जाएंगे। विवि का फोकस रिसर्च एंड एकेडमिक पर भी होगा। डॉ. सच्चिदानंद शुक्ल, कुलपति रविवि

■ एम्स में लगातार शोध और अनुसंधान हो रहे हैं। आईआईटी, आईआईएम और एनआईटी के साथ मिलकर संयुक्त शोध परियोजनाओं पर भी काम कर रहे हैं। शिक्षकों के पेटेंट-शोध भी बढ़ रहे हैं। डॉ. नितिन एम नागरकर, डायरेक्टर एम्स

आईआईएम 11वां, एम्स 39वां और एनआईटी 70वें रैंक पर

नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क-2023 की रिपोर्ट में छत्तीसगढ़ से केवल तीन संस्थानों ने ही रैंक हासिल किया है। इसमें आईआईएम रायपुर 11वां, एम्स 39वां और एनआईटी 70वें रैंक पर है। आईआईएम ने पिछले साल 14वां रैंक से 3 पायदान की छलांग लगाई है। एम्स रायपुर का भी प्रदर्शन पिछले साल से बेहतर रहा है। एम्स रायपुर पिछले साल 49वें रैंक पर था, इस साल 39वें रैंक पर है। हालांकि एनआईटी की रैंकिंग में इस साल गिरावट आई है। 2022 की रैंकिंग में एनआईटी 65वें रैंक पर था, लेकिन इस साल 70 पर पहुंच गई है। वहीं आईआईटी भिलाई पहली बार 81वें रैंक पर रहा है।